<u>वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान में मनाए गए हिन्दी दिवस समारोह की रिपोर्ट – 2022</u>

वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयंबत्तूर में राजभाषा हिन्दी के प्रचार – प्रसार हेतु 05–14 सितम्बर तक हिन्दी सप्ताह मनाया गया। 05 सितम्बर 2022 को प्रशासनिक शब्द श्रुतिलेखन प्रतियोगिता के साथ हिन्दी सप्ताह का शुभारंभ किया गया जिसमें सभी अधिकारियों एवं कार्मिकों ने हर्षोल्लास से भाग लिया। 07 सितम्बर 2022 को हिन्दी वाचन प्रतियोगिता एवं 09 सितम्बर 2022 को हिन्दी निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

14 सितम्बर 2022 हिन्दी दिवस के दौरान हिन्दी सप्ताह का समापन समारोह मनाया गया। इस समारोह में संस्थान के निदेशक डॉ.सि.कुञ्जिकण्णन, समूह समन्वयक डॉ.आर.यशोधा, वैज्ञानिक-जी, राजभाषा कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष डॉ.ए.सी.सूर्य प्रभा, वैज्ञानिक-डी,राजभाषा नोडल अधिकारी श्रीमती के.शांति, मुख्य तकनीकी अधिकारी, कनिष्ठ अनुवादक श्रीमती पूंगोदै कृष्णन एवं सभी अधिकारियों, वैज्ञानिकों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में सर्वप्रथम डॉ.ए.सी.सूर्य प्रभा, वैज्ञानिक-डी एवं राजभाषा कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि पिछले 14 वर्षों से हिन्दी दिवस समारोह मनाते आ रहे है और भारत सरकार के राजभाषा विभाग द्वारा निर्धारित लक्ष्य की प्राप्ति के लिए हम निरंतर प्रयास करते आ रहे है और उसी के फलस्वरूप 2015-16, 2018-19, 2019-20 और 2020-21 वर्ष में राजभाषा के कार्यान्वयन में प्रगति के लिए संस्थान को भा.वा.अ.शि.प राजभाषा पुरस्कार प्राप्त हुआ। राजभाषा के महत्व को बताते हुए अपनी भाषण को विराम दिया। इसके उपरांत श्रीमती के.शांति, मुख्य तकनीकी अधिकारी एवं राजभाषा के नोडल अधिकारी ने सभी के समक्ष राजभाषा का वार्षिक प्रगति रिपोर्ट (2021-22) पेश किया और अंत में कहा कि सभी के सहयोग से ही राजभाषा लक्ष्य की प्राप्ति की ओर हम आगे बढ़ते आ रहे है और आशा है कि भविष्य में भी आगे बढ़ते रहेंगे।

संस्थान के समूह समन्वयक (अनुसंधान) डॉ.आर.यशोधा, वैज्ञानिक-जी ने अपने भाषण में राजभाषा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत सरकार द्वारा 14 सितम्बर 1949 के दिन हिन्दी को राजभाषा के रूप में चुना गया। राजभाषा विभाग द्वारा निर्धारित लक्ष्यों, नियम एवं अधिनियमों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत के सभी राज्यों को तीन क्षेत्रों ‘क’,‘ख’ एवं ‘ग’ में बाँटा गया है जिसके अंतर्गत तमिलनाडु ‘ग’ क्षेत्र में आता है। आगे कहा कि राजभाषा अधिनियम

1963 की धारा 3(3) के अंतर्गत आने वाले सभी पत्रों को द्विभाषी में जारी करना चाहिए। राजभाषा अधिनियम 1976 के अंतर्गत सभी केंद्रीय सरकार के कर्मचारियों को हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान होना चाहिए इसलिए सभी को हिन्दी शिक्षण योजना के तहत हिन्दी प्रशिक्षण दिया जाता है। साथ ही हिन्दी टंकण एवं आशुलिपि प्रशिक्षण भी दिया जाता है। अन्य सभी नियमों को विस्तार से बताते हुए अंत में कहा कि जहाँ तक हो सके भारत सरकार की नियमों का पालन करते हुये दिन प्रति दिन के कार्यों में राजभाषा को अमल में लाना चाहिए।

उसके बाद कुछ कर्मचारियों ने अपने-अपने अनुभव द्वारा हिन्दी के महत्व पर प्रकाश डाला एवं कहा कि हिन्दी सरल भाषा है जिसे आसानी से सीखा जा सकता है। जहाँ चाह है वहाँराह है। इसलिए सभी को हिन्दी सीखकर अपने दिन प्रति दिन के कार्यों में प्रयोग करना चाहिए।

संस्थान के निदेशक डॉ.सि.कुञ्जिकण्णन महोदय जी ने प्रतियोगिताओं के विजेताओं को प्रमाणपत्र एवं पुरस्कार देकर उन्हें सम्मानित किया एवं सभी सहभागियों को भी प्रमाणपत्र देकर प्रोत्साहित किया। पुरस्कार वितरण के बाद निदेशक जी ने अपने भाषण में संस्थान के द्वारा राजभाषा कार्यान्वयन में की गई प्रगति के लिए राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सभी सदस्यों को बधाई दी और अपने अनुभव द्वारा जीवन में भाषा के महत्व को विस्तार से बताया। हिन्दी हमारी राजभाषा है इसलिए सभी को हिन्दी सीखने का प्रयास करना चाहिए। प्रतियोगिताओं के विजेताओं को बधाईयाँ दी और कहा कि इसी तरह राजभाषा से संबन्धित विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेकर उसके प्रचार-प्रसार में अपना योगदान देते रहे।

श्रीमती पूंगोदै कृष्णन, कनिष्ठ अनुवादक ने धन्यवाद प्रस्ताव किया और राष्ट्रीय गीत के साथ कार्यक्रम क समापन हुआ।

निदेशक जी का भाषण

समूह समन्वयक (अनुसंधान) के द्वारा भाषण

कर्मचारियों के द्वारा हिन्दी के महत्व पर अपने विचार प्रकट करते हुये

पुरस्कार वितरण

हिन्दी वाचन प्रतियोगिता प्रशासनिक शब्द श्रुतिलेखन प्रतियोगिता